

प्रेषक,
सुभाष कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
जिलाधिकारी,
उधमसिंह नगर।

आवास अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 30 अक्टूबर, 2009

विषय: श्री दूधिया बाबा सन्यास आश्रम (पंजीकृत) किच्छा रोड, रुद्रपुर(उधमसिंह नगर) को 8.6 एकड़ नजूल भूमि आवंटित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 716/25-नजूल-भू०आ०प्र०/08-09 दिनांक 1.12.2008 तथा पत्र सं० 1848/25-नजूल-भू०आ०प्र०/2009 दिनांक 24-10-2009 का सन्दर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा श्री दूधिया बाबा सन्यास आश्रम, रुद्रपुर जिला उधमसिंहनगर को 8.6 एकड़ नजूल भूमि निःशुल्क आवंटित करने का अनुरोध किया गया है।

चूंकि संस्था द्वारा आवेदित भूमि का उपयोग कुष्ठ रोगियों की बालिकाओं के आवास का निर्माण कर उनके रहने व शिक्षा आदि की सम्पूर्ण व्यवस्थाएँ निःशुल्क किये जाने तथा कुष्ठ रोग से पीड़ित बच्चों की शिक्षा एवं उनके सम्पूर्ण भरण-पोषण के अतिरिक्त निःसहाय वृद्ध एवं अपाहिज व्यक्तियों के उत्थान एवं गौशाला आदि के निर्माण से सम्बन्धित व्यवस्थाओं में किया जाना है, का संज्ञान लेते हुये तथा संस्था की आर्थिक स्थिति और उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों को दृष्टिगत रखते हुये शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त लिये गये निर्णय के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रश्नगत संस्था को उपरोक्त जनहित/सामाजिक हित के कार्यों हेतु जिलाधिकारी के प्रस्तावानुसार 8.6 एकड़ नजूल भूमि मात्र रू० 01-00 (रूपये एक मात्र) प्रतिमाह मासिक किराये की दर से 90 वर्षीय पट्टे पर निम्न प्रतिबन्धों के अधीन दिये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- पट्टे पर दी गयी उक्त भूमि का पट्टा प्रथमतः 30 वर्ष के लिये होगा और पट्टेदार को दो बार अर्थात् 30-30 वर्ष की अवधि के दौरान पट्टे का मध्यवर्ती नवीनीकरण कराया जाना आवश्यक होगा।

(हस्ताक्षर)

- 2- उक्त के अतिरिक्त पट्टे की भूमि का कोई भी व्यावसायिक उपयोग नहीं किया जायेगा। भूमि पर केवल वहीं उपयोग अनुमन्य होगा जिसके लिये पट्टा दिया जा रहा है अर्थात् उक्त पट्टे की भूमि पर उपरोक्तानुसार सामाजिक हित के कार्य ही किये जायेंगे।
- 3- सम्बन्धित संस्था को उक्त भूमि को किसी व्यक्ति अथवा संस्थान या संगठन को बिक्रय/पट्टे पर देने अथवा किसी अन्य प्रकार के हस्तान्तरण का अधिकार नहीं होगा। भूमि जिस उपयोग हेतु पट्टे पर ली जा रही है, का उपयोग आगामी तीन वर्ष के अन्दर कर लिया जायेगा।
- 4- उक्त से इतर उपयोग होने पर/पट्टे की शर्तों का उल्लंघन/संस्था द्वारा सामाजिक हित के कार्य कर सकने में अक्षम/संस्था के विघटन होने की दशा में प्रश्नगत भूमि मय निर्माण राज्य सरकार में स्वतः निहित हो जायेगी और इस हेतु संस्था को कोई प्रतिकर भी देय नहीं होगा।

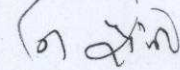
भवदीय

(सुभाष कुमार)
प्रमुख सचिव

सं० 2334 (i) / v -आ०-2009- 23(एन०एल०)/०९ तददिनांक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित:-

- 1- प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय, उत्तराखण्ड शासन को तत्कालीन सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन के पत्र सं० 18294/स०मु०मं०/2008 दिनांक 21.10.2008 के संदर्भ में प्रेषित।
- 2- स्वामी शिवानन्द, अध्यक्ष, श्री दूधिया बाबा सन्यास आश्रम(पंजीकृत), किच्छा रोड़, श्री दूधिया बाबा नगर, रुद्रपुर (उधमसिंह नगर)।
- 3- अपर जिलाधिकारी(नजूल), रुद्रपुर (उधमसिंह नगर)।
- 4- अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, रुद्रपुर (उधमसिंह नगर)।
- ✓ 5- निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(गरिमा रौकली)

उप सचिव